आवा हमर झारखंड

MOMENTUM JHARKHAND

खेलगांव में शुक्रवार को इन्वेस्टर्स ग्लोबल समिट के दौरान निवेशकों से एमओयू का आदान-प्रदान करते झारखंड सरकार के अधिकारी। एमओयू के बाद निवेशकों ने मुख्यमंत्री से मिलकर राज्य में साथ काम करने का भरोसा दिलाया और तस्वीरें खिंचवाई। • हिन्दुस्तान

छह लाख लोगों को रोजगार

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

पहले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सुखद समापन हो गया। इस पहले ही समिट में झारखंड को शगुन के रूप में तीन लाख 10 हजार करोड़ के निवेश का करार हासिल हुआ है।

दुनियाभर से आए निवेशकों ने झारखंड में जमकर पैसा लगाने और नौकरी देने का वादा किया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुए 210 एमओयू में छह लाख एक हजार 326 रोजगार देने का भरोसा दिलाया गया है। इनमें से दो लाख नौ हजार प्रत्यक्ष रोजगार और तीन लाख 92 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और कृषि से लेकर उद्योग तक में बड़े-बड़े सपने दिखाए गए हैं। पहले से तैयार

वादे-इरादे

- निवेशकों ने राज्य में पैसा लगाने और नौकरी देने का किया वादा
- शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग के क्षेत्र में हुए करार

209 एमओयू दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के लिए कंपनियों के प्रतिनिधियों में होड़ लगी रही।

एमओयू के दस्तावेजों की फाइल लेकर कंपनियों के अधिकारी उत्साह से दमकते चेहरों के साथ मुख्यमंत्री के पीछे खड़े होकर फोटो खिंचवाते रहे। कुछ कंपनियों के प्रतिनिधियों की गैर मौजूदगी के कारण उनसे जुड़े एमओयू पर हस्ताक्षर नहीं हो पाया। लेकिन इसे सरकार ने हरी झंडी दे दी है। करार की औपचारिकता बाद में पूरी की जाएगी।

इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन खेलगांव में लगी प्रदर्शनी को देखने उमड़ी भीड़। दूसरे दिन भी पुलिस की कड़ी सुरक्षा जांच के बाद लोगों को अंदर जाने दिया जा रहा था।

मिल्की वे और अडानी ने किए 50 हजार करोड़ के एमओयू

नौ विभागों में हुए एमओयू

विभाग	निवेश (करोड़)	रोजगार
कृषि	1900	1080
ऊर्जा	37150	19580
स्वास्थ्य	2060	11509
उच्च शिक्षा	3231	146870
उद्योग	210505	204583
आईटी	8499	56854
पर्यटन	2273	13062
परिवहन	50	55
शहरी विकास	44620	147744

एक हजार करोड़ से ऊपर के एमओयू

कंपनी	मैटर	नवेश (करोड़)
आरआरसी	वेस्ट मैनेजमेंट	7,000
हिन्दुस्तान उर्वरक	फर्टिलाइजर	6,500
सिबिक्स हाउसिंग	मैनुफैक्चरिंग	6,400
स्काईवे सिस्टम	मेट्रो	6,300
रिसाइक्लड रिफ्यूज	सोलर पावर	6,000
एस्सेल इन्फ्रा	इन्फ्रास्ट्रक्चर	5,700
टाटा स्टील	विस्तारीकरण	4,981
आधुनिक पावर	बिजली	4,400
स्मार्ट ग्रिड	बैट्री वाहन	4,100
मोहम इन्फो	होटल	3,851
वेस्ट बंगाल पावर	माइनिंग	3,850
तेनुघाट विद्युत	माइनिंग	3,306
इंडिया एसएमई फोरम	इनक्यूबेशन पार्क	3,300
इनलैंड पावर	ऊर्जा	2,800
ओमास्था	फूडपार्क	2,500
लाउड शाऊट	हाऊसिंग	2,500
पारस एग्रो	फूड प्रोसेसिंग	1,900
सुकरोही इंटरनेशनल	मैनुफैक्चरिंग	1,500
एनजीपीआई	ऊर्जा	1,400
डिजर्व एविजम	हाऊसिंग	1,250
प्रणामी एस्टेट्स	टाऊनशिप	1,160
बिहार पावर	माइनिंग	1,138
एस्सार पावर	माइनिंग	1,100
रामकृष्ण फोर्जिंग	एयरोनॉटिक्स	1,004
हिन्दुस्तान कॉपर	राखा माइंस	949
फाउंटेनहेड ट्रेनिंग	कौशल विकास	900
पीजेपी सिनेमा	मनोरंजन	899
मैक्सवर्थ कंज्यूमर	बिस्कुट	650
कोलास	सोलर पैनल	600
मदर टेरेसा ट्रस्ट	मेडिकल कॉलेड	560
मियोटा पावर	रेल कोच	550
रामकृष्ण फोर्जिंग	ऑटो कंपोनेंट	538
एमिटी यूनिवर्सिटी	उच्च शिक्षा	500
अकरा जैन यूनिवर्सिटी	उच्च शिक्षा	500
मैथन इस्पात	माइनिंग	500
ब्रिंडसे टेक्नोलॉजी	रिसर्च सेंटर	500
गणपति मोदी	टाऊनशिप	500
एसोटेक सनग्रोथ	हाउसिंग	500
लघु उद्योग भारती	इंडस्ट्रियल पार्क	480
ऑफोरबीस	पर्यटन	400
ओजोन	सीमेंट प्लांट	400
पेरीजॉन	गैस वितरण	400
वाईबीएन	यूनिवर्सिटी	400
एनआरएमसी	आईटी सेज	350
टाटा ब्लूस्कोप	स्टील	350
केपीआईटी	आईटी	315
ऊषा मार्टिन	माइनिंग	303
पीएसपीसीएल	माइनिंग	300
त्रिमूला इंडस्ट्रीज	माइनिंग	300
लाफार्ज	सीमेंट	300
रोपवे सर्विस	पर्यटन	300
दामोदर रोपवे	रोपवे	300
सरोज पॉलीओल्स	फ्रूटोज सिरप	300
एकिस टेक	रेल वैगन	300
सोशल फाउंडेशन	मेडिकल कॉलेज	300
दिव्या	हाईब्रिड सोलर	300
बॉयोजेनेटिक लैब	आईटी पार्क	280
डायमंड न्यूट्री फूड्स	इन्फ्रास्ट्रक्चर	280
पोजिट्रॉन	गैस पाइप लाइन	260
प्रतीक्षा टेक्सटाइल	स्पिनिंग	250
त्रिवेणी फूड पार्क	फूड पार्क	225
इंपीरिया स्ट्रक्चर	शहरी विकास	200
अशोका इंडस्ट्रियल	इंडस्ट्रियल पार्क	210
सरोज ग्रुप	फूड पार्क	200
यूरेनियम कॉरपोरेशन	माइनिंग	129
राय यूनिवर्सिटी	उच्च शिक्षा	150
श्रीराम मल्टीकॉम	नेचुरोपैथी	150
साईनाथ यूनिवर्सिटी	उच्च शिक्षा	150
द ऑर्गेनिक फूड	स्टार्च	147
स्मार्ट सिटी वन	मैनुफैक्चरिंग	140
अमित ऑयल	खाद्य तेल	129
माई ऑन	बॉयो डीजल	125
सरला बिड़ला यूनिवर्सिटी	उच्च शिक्षा	115
ओड़िशा रीरोलर	फूडपार्क	100
जाएंट शॉक	एलईडी चिप	100
आरडी हाईटेक	माइनिंग	100
प्रज्ञान इंटरनेशनल	यूनिवर्सिटी	100
किजल्क एग्रो	मैज प्रोसेसिंग	100
आरएस अग्रवाल	शॉपिंग कांप्लेक्स	100
विज नगर बॉयोटेक	फूड प्रोसेसिंग	100
कूलाइट	सोलर एलईडी	100
मेडिट्रिना कार्डियक	हेल्थ	100
आयुष मोदी	बेकरी	100
ब्रांडगियास	एनर्जी स्टोरेज	100
बोकारो फूड पार्क	फूड पार्क	100
कनेक्ट ग्लोबल	डाटा सेंटर	100
फिजा एक्सपोर्ट्स	फूड प्रोसेसिंग	100
प्रोवेस इंटरनेशनल	माइनिंग उपकरण	100

10 हजार करोड़ से ऊपर के एमओयू

कंपनी	मैटर	निवेश (करोड़)
मिल्की वे (चाइना)	इन्फ्रास्ट्रक्चर	66,696
अडानी	मैनुफैक्चरिंग	50,000
जेएसडब्लू	मैनुफैक्चरिंग	35,000
को. ग्लोबल (स्वीडन)	हाऊसिंग	17,300
आरईसी	बिजली	15,150
कैजन नैनो	एलईडी	12,000

टेक महिंद्रा निवेश को तैयार : मित्रा

राज्य में टेक महिंद्रा निवेश के लिए इच्छुक है। कंपनी के चीफ स्ट्रेटेजी एंड मार्केटिंग ऑफिसर जगदीश मित्रा ने कहा कि हमारी कंपनी कई राज्यों में काम कर रही है। झारखंड में निवेश की असीम संभावनाएं हैं, इसे देखते हुए निवेश की इच्छा है। यहां कई क्षेत्रों में काम किया जा सकता है। ई गवर्नेंस और कौशल विकास के क्षेत्र में काम करने की इच्छा है। कंपनी मोबाइल प्रोजेक्ट, पुलिस मॉडर्नाईजेशन, म्युनिसिपल चेंज आदि में योगदान देने की इच्छुक है। इसे लेकर एमओयू किया जाएगा।

कंसल्टेंसी के मार्ग खुल रहे : प्रभाष

वीएसपीएस के निदेशक प्रभाष कुमार ने कहा कि हमारी कंपनी डिजाइन के क्षेत्र में कंसल्टेंसी देती है। कंपनी की तरफ से वाइब्रेंट गुजरात में भी जाने का मौका मिला है। झारखंड में इस तरह का आयोजन पहली बार हुआ है। इससे लाभ मिलने की उम्मीद है। राज्य में फार्मास्यूटिकल समेत अन्य क्षेत्रों में काफी संभावनाएं हैं। कुछ फार्मास्यूटिकल कंपनियों से बातचीत भी हुई है। हमारी कंपनी रांची और बोकारो में अपना केंद्र खोलने की इच्छुक है। इसके लिए बातचीत हुई है।

सउदी अरब निवेश को तैयार : हसन

सउदी अरब का व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल भी इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने के लिए खेलगांव पहुंचा था। प्रतिनिधिमंडल के हसन अली आमिर ने कहा कि हम झारखंड में माइनिंग और मन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में निवेश की इच्छा रखते हैं। मुख्यमंत्री रघुवर दास और मुख्य सचिव राजबाला वर्मा से बातचीत हुई है। उन्हें सउदी अरब आने का निमंत्रण दिया है। दोनों ने जल्द वहां आने का आश्वासन दिया है। राज्य में निवेश की असीम संभावनाएं हैं और उम्मीद है कि हमें मौका मिलेगा।

ऑटोमोबाइल में हैं संभावनाएं: योगेश

केपीआईटी के वीपी योगेश शर्मा ने कहा कि राज्य में ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। हमारी कंपनी ऑटोमोबाइल सोल्यूशन प्रोवाइड करवाती है। टेक्नोलॉजी के जरिए सिटी बस कितने देर में स्टॉप पर पहुंचेगी, इलेक्ट्रिक बस के लिए क्या-क्या चीजें जरूरी हैं, इन सबमें सेवाएं देने को तैयार हैं। कंपनी इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम की पूरी व्यवस्था तैयार करवाती है। इसके अलावा माइनिंग समेत अन्य सेक्टर में मानव संसाधन और अत्यधुनिक टेक्नोलॉजी के उपयोग में सहायता करती है। इसका सरकार से एमओयू हो रहा है।

समिट लाइव

शुक्रवार को खेलगांव में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने आए केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद का एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया।

पनबिजली क्षेत्र में निवेश करेगा चेक

रांची। चेक गणराज्य के मिनिस्ट्री ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के स्टेट सेक्रेटरी रॉबर्ट जर्मन ने शुक्रवार को खेलगांव स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री चन्द्र प्रकाश चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने झारखंड में पनबिजली उत्पादन, सिंचाई एवं पेयजल स्वच्छता के क्षेत्र में पूंजी निवेश करने की संभावना जतायी। कहा कि चेक गणराज्य की कंपनियां पूंजी निवेश करने को इच्छुक हैं। इस क्रम में मंत्री से चेक गणराज्य के राजदूत मिलन होवरोका ने भी कई विषयों पर चर्चा की। मौके पर जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव सुखदेव सिंह, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव एपी सिंह, मंत्री के आप्त सचिव डॉ लम्बोदर महतो, अभियंता प्रमुख रमेश कुमार, मुख्य अभियंता अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

समिट के अंतिम दिन आम लोगों के लिए प्रदर्शनी खुलते ही स्टॉलों पर भीड़ जमा हो गई। ज्यादातर लोगों का आकर्षण बने तकनीक वाले स्टॉल।

मेकन और एचईसी के बीच एमओयू

इन्वेस्टर्स समिट में एचईसी और मेकन के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत दोनों कंपनियां निर्माण और डिजाइन के क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करेंगी। मेकन डिजाइन तैयार करेगा। एचईसी उसका निर्माण करेगा। स्टील उद्योग के लिए खास तौर पर यह काम होगा। ऐसे उपकरणों का निर्माण किया जाएगा, जिसे अभी विदेशों से मंगाया जाता है। इसमें ब्लास्ट फर्नेस और अन्य उपकरण शामिल हैं। मुख्यमंत्री रघुवर दास की मौजूदगी में मेकन के जीएम डॉ एस चटर्जी और एचईसी के सीबीडी डॉ ए दास ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रघुवर दास और मंत्री अमर कुमार बाउरी शुक्रवार को खेलगांव में वेबसाइट का लोकार्पण करते हुए।

प्रदेश के एनआरआई के लिए वेबसाइट

एमओयू के मौके पर सीएम रघुवर दास की मौजूदगी में दो वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। इनमें से एक वेबसाइट विदेशों में रह रहे झारखंडियों को समर्पित है। इसके माध्यम से झारखंड के रह रहे एनआरआई को प्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसका नाम एनआरआईझारखंड.गॉव.इन है। वहीं, दूसरी वेबसाइट स्टार्टअपझारखंड.इन है। इसके जरिए झारखंड में स्टार्टअप पहल को बढ़ावा दिया जाएगा। इस मौके पर स्टार्टअप गुरु और ग्लोबल बिजनेस इनक्यूबेटर के चेयरमैन श्रीनिवास गोबिनेगी ने कहा कि इस बेबसाइट के जरिए नए आइडिया को प्रोत्साहित करने का काम सरकार करे तो प्रदेश की अर्थव्यवस्था गतिशील हो सकती है।

मेक इन झारखंड होगा सफल

कौशल विकास, शिक्षा-स्वास्थ्य

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

केंद्रीय कौशल विकास मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि मेकर्स से ही मेक इन झारखंड सफल हो सकता है। जीवन सिर्फ शिक्षा से सुंदर होती, बल्कि कौशल विकास से मानव जीवन संवरता है। आजादी के बाद से सिर्फ शिक्षा पर ध्यान दिया गया। कौशल विकास को लेकर कोई कार्य नहीं हुआ। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने बाद पहली बार कौशल विकास मंत्रालय की स्थापना की गई। रूडी शुक्रवार को खेलगांव में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि झारखंड का मानव संसाधन और खनिज संपदा पूरे विश्व को आकर्षित कर रहा है। उद्योग स्थापना के लिए झारखंड केन्द्र की नजर में सबसे आगे है। यहां का कुशल मानव संसाधन दूसरे राज्यों की ओर रुख कर रहा है । इसका उपयोग राज्य में स्थापित होने वाले उद्योग में होनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी ने कहा कि झारखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश की कई संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने दो साल में कई योजनाएं लागू की हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश के लिए नीति में बदलाव किया गया है। अस्पताल बनाने और जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने में अनुदान की सुविधा दी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी की मौजूदगी में कौशल विकास के लिए एमओयू करते अधिकारी।

शिक्षा मंत्री नीरा यादव ने कहा कि वैश्विक सम्मेलन के बाद झारखंड नई राह की ओर अग्रसर होगा। स्थायी सरकार और राज्य में मौजूद संसाधन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है। यहां मानव संसाधन सहजता और सुगमता से उपलब्ध है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार बेहतर कार्य कर रही है। पीपीपी मोड पर स्वास्थ्य केन्द्रों में सुविधाएं दी जा रही हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों के निर्माण में सरकार अनुदान देगी। एफिलिएशन के नियमों में बदलाव किये गए हैं ताकि संबद्धता देने में कोई परेशानी न हो। सरकार कुशल मानव संसाधन तैयार करने को तीन हजार करोड़ रुपये खर्च कर सकती है।

खाद्य प्रसंस्करण में सहभागी बनें: सुदर्शन भगत

रांची। केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री सुदर्शन भगत ने कहा कि झारखंड में खाद्य प्रसंस्कण की बड़ी संभावना है। राज्य के विकास में निवेशक सहभागी बनें। आज भी 65 फीसदी आबादी कृषि और संबद्ध क्षेत्र पर निर्भर है। मानसून आधारित खेती के कारण कृषि में अनिश्चितता रहती है। पैदावार अच्छी होने पर उत्पाद का उचित मूल्य मिलने में दिक्कत होती है। ऐसी स्थिति में अन्य क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। इसमें खाद्य प्रसंस्करण महत्वपूर्ण है। भगत खेलगांव में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। वहीं यस बैंक के सीनियर प्रेसीडेंट नितिन पुरी ने भी विचार रखे।

स्वर्णिम अवसर- राज्य के कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि निवेशकों के लिए यह स्वर्णिम समय है। अवसर का लाभ उठाएं। अधिक मात्रा में निवेश करें। दलहन-तेलहन और सब्जी की उपज राज्य में राष्ट्रीय औसत से अधिक होती है।

स्थानीयता पर जोर- मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक एस नागराजन ने कहा कि निवेशकों को परिस्थिति का लाभ उठाना चाहिए। अभी पैकेज फूड इंडस्ट्रीज बढ़ रही है। अमेरिका में लगभग 24 प्रतिशत लोग पैकेज फूड का उपयोग करते हैं।

निवेशकों को पूरा सहयोग

टेक्सटाइल व फुटवियर

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

कल्याण मंत्री लुईस मरांडी ने झारखंड में टेक्सटाइल और फुटवियर उद्योग लगाने वाले निवेशकों को पूरा सहयोग मिलने का भरोसा दिलाया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन टेक्सटाइल एण्ड फुटवेयर में पूंजीनिवेश की संभावनाएं विषय पर आयोजित गोष्ठी में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति में निवेशकों को एक समय सीमा के भीतर सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराने की बात कहीं गई। झारखंड को तसर सिल्क उत्पादक राज्य के रूप में जाना जाता है। इससे आधार उद्योग लगाने से निवेशकों को लाभ होगा।

कुशल श्रमशक्ति उपलब्ध : खादी बोर्ड के अध्यक्ष संजय सेठ ने कहा कि झारखंड में प्राकृतिक सम्पदाओं के साथ कुशल श्रम शक्ति भी है। मुख्यमंत्री रघुवर दास के कुशल नेतृत्व में झारखंड तेजी से विकास कर रहा है। कार्यसंस्कृति में काफी बदलाव हुआ है। झारखंड तसर सिल्क के उत्पादन में दुनिया में नम्बर वन बन सकता है। इसके लिए निवेशकों का सहयोग जरूरी है। सत्र की शुरुआत अभिषेक गुप्ता ने उद्योग की संभावना पर प्रकाश डाला। कहा कि वस्त्र उद्योग में अपार संभावना है। इसका बाजार 100 बिलियन डॉलर्स तक बढ़ाया जा सकता है। सरकार का ध्यान घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार पर है। ओरिएंट

टेक्सटाइल और फुटवियर विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करतीं प्रदेश के मंत्री लुईस मरांडी।

क्राफ्ट लिमिटेड के चेयरमैन सुधीर धींगरा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वस्त्र बाजार 600 बिलियन डॉलर का है, जिसमें भारत का शेयर मात्र 17 प्रतिशत है। टेक्सटाइल उद्योग में रोजगार के अवसर दूसरे उद्योग से कई गुना अधिक है। झारखंड कुशल श्रम शक्ति के बदल पर तरक्की कर सकता है। मैट्रिक्स क्लोथिंग के एमडी गौतम नीर ने कहा कि झारखंड वस्त्र उद्योग के लिए उपयुक्त है।

अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के अतिरिक्त महासचिव विजय माथुर ने कहा कि झारखंड में टेक्सटाइल उद्योग के लिए कुशल मानव संसाधन उपलब्ध है। उन्होंने टेक्सटाइल उद्योग में रोजगार के सृजन तथा कामगारों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

आईटी के क्षेत्र में निवेश करने की जरूरत: सीपी चौधरी

रांची। सरकार के जल संसाधन मंत्री चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि उद्यमियों को आईटी क्षेत्र के विस्तार के लिए निवेश करना चाहिए। राज्य के लोग इस विधा में पारंगत होना चाहते हैं। सरकार निवेशकों को हर तरह की सुविधा और प्रोत्साहन देगी। इस संबंध में सरकार की नीति स्पष्ट है। उन्होंने उद्योगपतियों को निवेश का न्योता दिया। मंत्री खेलगांव में आईटी व बीपीओ में निवेश पर आयोजित सेक्टोरल सेमिनार में बोल रहे थे। दूर संचार नियामक प्राधिकार (ट्राई) के अध्यक्ष आरएस शर्मा ने कहा कि देश में 11 बिलियन लोग प्रति मिनट इन्टरनेट सेवाओं का प्रयोग करते हैं। आधार से 112 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं, जो झारखंड सहित पूरे भारत में डिजिटल सेवाओं के बढ़ते बाजार को दर्शाता है।

आईटी और ई-गवर्नेंस विभाग के निदेशक उमेश प्रसाद साह ने कहा कि राज्य में आईटी इंडस्ट्री में निवेश का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस प्रक्षेत्र का बजट दो प्रतिशत से बढ़ा कर पांच प्रतिशत करने का संकल्प राज्य सरकार ने लिया है।

टेक महिंद्रा के मुख्य विपणन अधिकारी जगदीश मित्रा ने कहा कि ऐसे समय में जब यूरोप और अमेरिका के देश अपने आईटी बाजार को संरक्षित कर दूसरे देशों के लिए अपने बाजार बंद कर रहे हैं, भारत इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए एक अच्छी जगह है।